B-384
L-20
General
Geography

वाताग्र

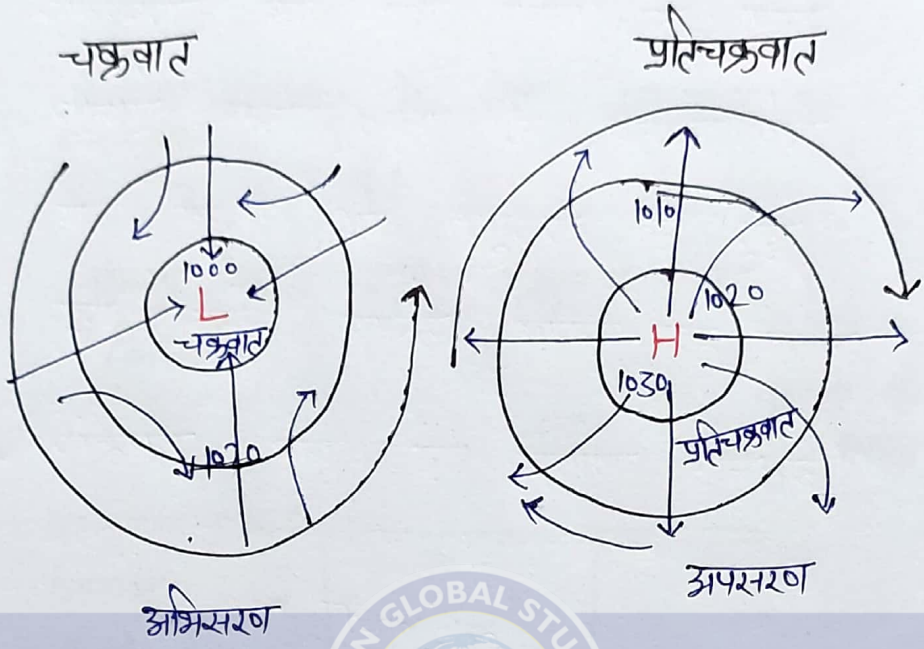

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Empowered Learning Platform
KHAN SIR

वाताग्र के प्रकार →

वाताग्र 4 प्रकार के होते हैं-

i) स्थायी वाताग्र (Stationary)

ii) गर्म वाताग्र

iii) ठण्डा वाताग्र

iv) संरोधी वाताग्र

Scanned by CamScanner

आर्द्रता एवं वर्षण के प्रकार :-

आर्द्रता → वायु में व्याप्त जलवाष्प की मात्रा।

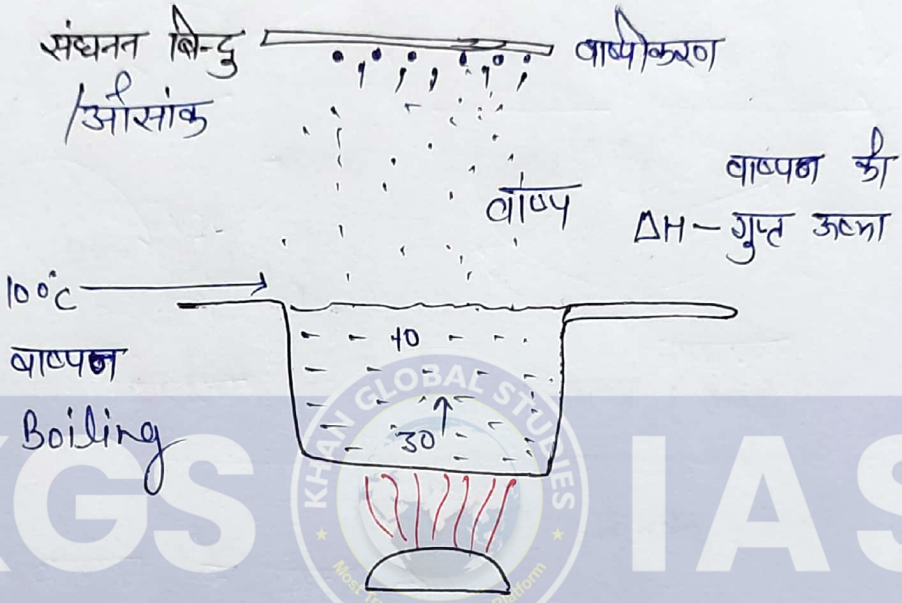

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- अहम भूमिका → गैस / ठोस / तरल - परिवर्तनशील; 60% स्वास्थ्य के लिए आदर्श; वर्षण; हरित गृह प्रभाव, गुप्त ऊष्मा का स्रोत, वायुमंडलीय स्थिरता का कारक
- आर्द्रतामापी यंत्र (Hygrometer)

Scanned by CamScanner

आर्द्रता का मापन → वैज्ञानिकों ने

आर्द्रता को मापने के लिए आर्द्रता की गणना 3 प्रकार से की है-

i) Absolute (वास्तविक / निरपेक्ष) → वायु के प्रति इकाई आयतन में व्याप्त जलवाष्प।

$$\text{आर्द्रता} = \frac{\text{नमी / जलवाष्प (gms)}}{\text{हवा का आयतन } (gm^3)}$$

ii) Specific (विशिष्ट) → वायु के प्रति इकाई भार में व्याप्त जलवाष्प

$$\text{विशिष्ट} = \frac{\text{जलवाष्प (g)}}{\text{हवा का 1 kg भार}}$$

Scanned by CamScanner

iii) Relative (सापेक्षिक) → वायु में विद्यमान जलवाष्प एवं वायु की जलवाष्प धारक क्षमता का अनुपात (यह % में व्यक्त की जाती है)। हमेशा एक निश्चित तापमान पर होती है और ये हवा की संतृप्तता का मापन करती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

$$\text{सापेक्षिक आर्द्रता} = \frac{\text{वायु में व्याप्त आर्द्रता/जलवाष्प}}{\text{अधिकतम जल वाष्प/आर्द्रता ग्रहण क्षमता}} \times 100$$

100 gm.

Scanned by CamScanner